an>

Title: Need to make services of adhoc teachers working in Eklavya Schools permanent.

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा (भरूच) ः मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि आदिवासी क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के बीच शिक्षा को बढ़ावा दिये जाने हेतु एकलव्य स्कूल चलाये जा रहे हैं। अनुसूचित जनजाति में साक्षरता का स्तर राष्ट्रीय औसत स्तर से बहुत कम है। एकलव्य स्कूल द्वारा अनुसूचित जनजाति के बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। एकलव्य स्कूलों में कई टीचर 5 से 7 साल से अस्थाई तौर पर कार्य कर रहे हैं। ये टीचर काफी मेहनत से शिक्षण कार्य कर रहे हैं एवं सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम के माध्यम से पढ़ा रहे हैं। जिनके कारण एकलव्य स्कूलों का रिजल्ट अच्छा आ रहा है। ये टीचर अनुसूचित जनजाति वर्ग में शिक्षा का प्रचार एवं प्रसार कर रहे हैं। एकलव्य स्कूल के टीचरों को परमानेंट करके उनके साथ न्याय दिलवाया जाये।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि एकलव्य स्कूलों में जो टीचर 5 से 7 साल से शिक्षण कार्य अस्थाई रूप से कर रहे हैं उन सभी को परमानेन्ट किया जाये।